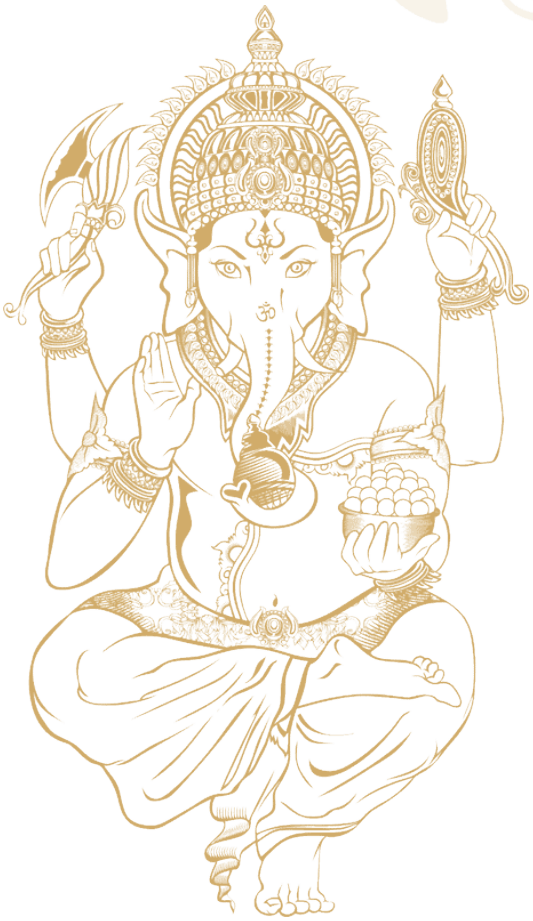

???????

26 May 2023

08:58 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120872902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/05/2023**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:58:00 घंटे**
इष्ट	08:51:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:36:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:59 घंटे
साम्पातिक काल	00:50:40 घंटे
सूर्योदय	05:25:36 घंटे
सूर्यास्त	19:10:57 घंटे
दिनमान	13:45:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:28:47 वृष
लग्न के अंश	29:02:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:02:07	309:03:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	10:28:47	00:57:38	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	24:07:59	11:52:23	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल			कर्क	08:58:03	00:34:30	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			मेष	16:06:57	00:46:31	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मेष	07:56:17	00:13:15	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	25:31:35	01:01:10	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	12:36:43	00:02:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	09:23:17	00:01:57	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:23:17	00:01:57	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	25:41:33	00:03:23	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	03:09:49	00:01:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		मक	06:02:48	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मीन	19:34:58	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:52

लग्न-चलित

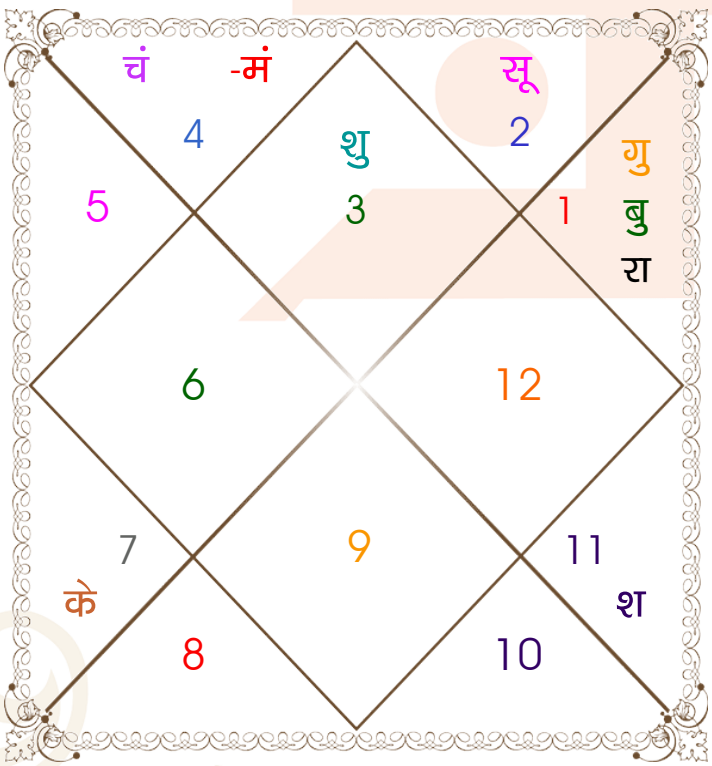

चन्द्र कुंडली

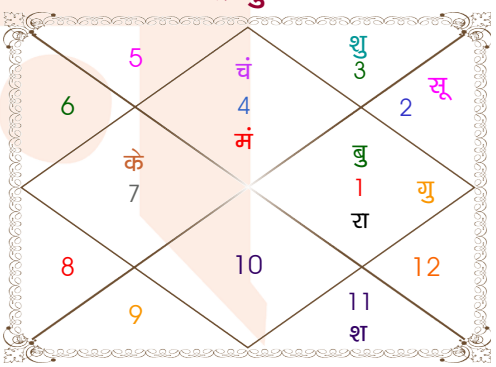

नवमांश कुंडली

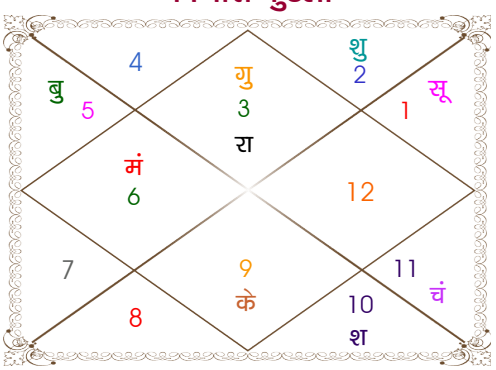

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 5 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/05/2023		17/11/2030		17/11/2037		17/11/2057		17/11/2063	
17/11/2030		17/11/2037		17/11/2057		17/11/2063		17/11/2073	
	00/00/0000	केतु	15/04/2031	शुक्र	18/03/2041	सूर्य	06/03/2058	चंद्र	17/09/2064
	00/00/0000	शुक्र	14/06/2032	सूर्य	19/03/2042	चंद्र	05/09/2058	मंगल	18/04/2065
	00/00/0000	सूर्य	20/10/2032	चंद्र	17/11/2043	मंगल	11/01/2059	राहु	18/10/2066
	00/00/0000	चंद्र	21/05/2033	मंगल	16/01/2045	राहु	06/12/2059	गुरु	17/02/2068
	00/00/0000	मंगल	17/10/2033	राहु	17/01/2048	गुरु	23/09/2060	शनि	17/09/2069
	26/05/2023	राहु	05/11/2034	गुरु	17/09/2050	शनि	05/09/2061	बुध	16/02/2071
राहु	02/12/2025	गुरु	12/10/2035	शनि	17/11/2053	बुध	12/07/2062	केतु	17/09/2071
गुरु	09/03/2028	शनि	20/11/2036	बुध	17/09/2056	केतु	17/11/2062	शुक्र	18/05/2073
शनि	17/11/2030	बुध	17/11/2037	केतु	17/11/2057	शुक्र	17/11/2063	सूर्य	17/11/2073

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/11/2073		17/11/2080		17/11/2098		18/11/2114		18/11/2133	
17/11/2080		17/11/2098		18/11/2114		18/11/2133		00/00/0000	
मंगल	15/04/2074	राहु	31/07/2083	गुरु	05/01/2101	शनि	21/11/2117	बुध	15/04/2136
राहु	03/05/2075	गुरु	23/12/2085	शनि	20/07/2103	बुध	31/07/2120	केतु	13/04/2137
गुरु	08/04/2076	शनि	29/10/2088	बुध	24/10/2105	केतु	09/09/2121	शुक्र	12/02/2140
शनि	18/05/2077	बुध	19/05/2091	केतु	30/09/2106	शुक्र	08/11/2124	सूर्य	18/12/2140
बुध	15/05/2078	केतु	05/06/2092	शुक्र	31/05/2109	सूर्य	21/10/2125	चंद्र	19/05/2142
केतु	12/10/2078	शुक्र	06/06/2095	सूर्य	20/03/2110	चंद्र	23/05/2127	मंगल	17/05/2143
शुक्र	12/12/2079	सूर्य	30/04/2096	चंद्र	20/07/2111	मंगल	01/07/2128	राहु	27/05/2143
सूर्य	18/04/2080	चंद्र	30/10/2097	मंगल	24/06/2112	राहु	08/05/2131		00/00/0000
चंद्र	17/11/2080	मंगल	17/11/2098	राहु	18/11/2114	गुरु	18/11/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।